Syllabus

M.A. (Hindi) Part-I
Semester I & II
2016-2017

एम.ए. भाग–पहला (सैमेस्टर–पहला)
(केवल प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए)

प्रथम सैमेस्टर में विद्यार्थियों को कुल चार पेपरों का अध्ययन करना होगा, जिसमें से प्रथम तीन अनिवार्य होंगे। चौथे पेपर में तीन विकल्प होंगे, जिनमें से विद्यार्थी एक विकल्प चुनकर उसका अध्ययन करेगा।

पेपर एक : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य–1

पेपर दो : हिंदी भाषा : उद्‌भव और विकास

पेपर तीन : हिंदी साहित्य का इतिहास (1850 तक)

पेपर चार : वैकल्पिक अध्ययन

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी : विशेष अध्ययन
2. पंजाब का हिंदी साहित्य
3. हिंदी पत्रकारिता

पेपर एकः आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य–1

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्य–पुस्तक

पद्यमाला सम्पादक : डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल', के.के. पब्लिकेशन्स, दिल्ली, (केवल प्रथम पाँच कवि– अब्दुल रहमान, चन्द वरदाई, विद्यापति, कबीर दास, मलिक मुहम्मद जायसी)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा **'अथवा'** रूपी विकल्प के साथ छह प्रसंग दिये जायेंगे जिनमें से तीन की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी।

(3×8=24)

2. निर्धारित कवियों/रचनाओं से सम्बद्ध **'अथवा'** रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना

होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो सकता है। **(3×12=36)**

3. आठ लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनमें सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा। **(8×5=40)**

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
2. कबीर एक अनुशीलन – राम कुमार वर्मा
3. जायसी – विजयदेव नारायण साही
4. जायसी एक नई दृष्टि – डॉ. रघुवंश

पेपर दो : हिंदी भाषा : उद्‌भव और विकास

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्य क्रम

1. **हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :** प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं– पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण।
2. **हिंदी का भौगोलिक विस्तार :** हिंदी की उपभाषाएं– पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं।
3. **हिंदी का भाषिक स्वरूप :** हिंदी शब्द–संरचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूपरचना, लिंग, वचन और कारक–व्यवस्था के संदर्भ में। हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप। हिंदी वाक्य–रचना, पदक्रम और अन्विति।

4. **हिंदी की संवैधानिक स्थिति, मानकीकरण।**

5. **देवनागरी लिपि :** उत्पत्ति, विकास, विशेषताएं और मानकीकरण।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघु प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनका बिना विकल्प के चार पाँच पंक्तियों में उत्तर देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न– 4×15=60

आठ लघु प्रश्न – 8×5 = 40

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी भाषा का इतिहास – भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी भाषा : उद्‌भव और विकास – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा।
3. हिन्दी भाषा : उद्‌भव और विकास– उदय नारायण तिवारी।
4. भारतीय आर्य भाषाएं और हिन्दी भाषा– सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी भाषा – कैलाश चन्द्र भाटिया, सहित्य भवन, प्रा. लि. इलाहाबाद।

पेपर तीन : हिंदी साहित्य का इतिहास (1850 तक)

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

पाठ्य विषय

1. इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास।

2. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं।

3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन और सीमा–निर्धारण।

4. हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, परिस्थितियां और नामकरण, प्रवृत्तियां, काव्यधाराएं उनकी प्रवृत्तियां, गद्य साहित्य।

5. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की पृष्ठभूमि, परिस्थितियां, सांस्कृतिक–चेतना एवं भक्ति आंदोलन।

6. (क) निर्गुण संत काव्य का वैशिष्ट्य।
   (ख) सूफी काव्य का वैशिष्ट्य।
   (ग) राम काव्य का वैशिष्ट्य।
   (घ) कृष्ण काव्य का वैशिष्ट्य।
   (ड.) भक्तिकालीन गद्य साहित्य।

7. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की पृष्ठभूमि, परिस्थितियां और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण–ग्रंथों की परंपरा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) और उनकी विशेषताएं, रीतिकालीन गद्य साहित्य।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघु प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनका बिना विकल्प के चार पाँच पंक्तियों में उत्तर देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न 4×15=60

आठ लघु प्रश्न 8×5=40

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ. रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास– सं. डॉ. नगेन्द्र।
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. रामकुमार वर्मा।
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो भाग) – डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त।
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामसजन पाण्डेय।

पेपर चार : (विकल्प–1) हजारीप्रसाद द्विवेदी : विशेष अध्ययन

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें

1. बाणभट्ट की आत्मकथा (उपन्यास), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिक्ख गुरुओं का पुण्य स्मरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. अशोक के फूल (मात्र आठ निबंध– अशोक के फूल, बसंत आ गया है, मेरी जन्मभूमि, सावधानी की आवश्यकता, भारतीय संस्कृति की देन, पुरानी पोथियां, आलोचना का स्वतन्त्र मान, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है)।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक रचना से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत प्रतिशत विकल्प के रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचना को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों रचनाओं की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। (3×8=24)
2. प्रत्येक रचना से संबंधित दो–दो दीर्घ प्रश्न 'अथवा' के साथ शत प्रतिशत विकल्प के रूप में पूछे जाएंगे। विद्यार्थियों को तीनों रचनाओं से संबंधित एक–एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। (3×12=36)

3. आठ लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनमें सभी का उत्तर अनिवार्य होगा। (8×5=40)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हजारीप्रसाद द्विवेदी– सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
2. शान्तिनिकेतन से शिवालिक – सं. शिवप्रसाद सिंह।
3. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्य–चौथी राम यादव।
4. साहित्यकार और चिन्तकः आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी–राममूर्ति त्रिपाठी।
5. निबंधकार : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी–डॉ. रवि कुमार 'अनु'।

पेपर चार : (विकल्प–2) पंजाब का हिन्दी साहित्य–1

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें

1. गुरु तेगबहादुर वाणी– संपादक गुरदेव कौर व जी.एस. आनंद, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला प्रकाशन।
2. मय्यादास की माड़ी (उपन्यास), भीष्म साहनी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
3. लहरों के राजहंस (नाटक) मोहन राकेश (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक कवि/लेखक से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत–प्रतिशत विकल्प के रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचना को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों रचनाओं की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। (3×8=24)
2. प्रत्येक कवि/लेखक, रचना से संबंधित दो–दो दीर्घ प्रश्न 'अथवा' के साथ शत प्रतिशत विकल्प के रूप में पूछे जाएंगे। विद्यार्थियों को तीनों रचनाओं से संबंधित एक–एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। (3×12=36)

3. आठ लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनमें सभी का उत्तर अनिवार्य होगा। (8×5=40)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. पंजाब प्रांतीय हिन्दी साहित्य का इतिहास – चन्द्रकान्त बाली
2. भीष्म साहनी : उपन्यास साहित्य – विवेक द्विवेदी
3. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी
4. गुरु तेग बहादुर : जीवन, दर्शन और विवेचन – संपादक : प्रेम प्रकाश सिंह (पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला प्रकाशन)
5. गुरू तेग बहादुर : सन्दर्भ और विश्लेषण – सुखविन्दर कौर बाठ

पेपर चार : (विकल्प–3) हिन्दी पत्रकारिता

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**

समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम

1. पत्रकारिता : अवधारणा और स्वरूप
2. पत्रकारिता के विविध रूप (क्षेत्र)
3. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास
4. पत्रकार के गुण/ अपेक्षाएं
5. (क) सम्पादन कला : सम्पादक का दायित्व, सम्पादन के सिद्धान्त
   (ख) सम्पादन कार्य : सामग्री चयन, अंक योजना
   (ग) सम्पादकीय लेखन : पत्रिका की भाषा
6. साहित्यिक पत्रकारिता
7. समाचार पत्र : स्वरूप, महत्त्व, दायित्व

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस

प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघु प्रश्न बिना विकल्प पूछे जाएंगे, जिनका उत्तर देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न 4×15=60

आठ लघु प्रश्न 8×5=40

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. जन पत्रकारिता, जन संचार एवं जन सम्पर्क– सूर्यप्रसाद दीक्षित (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
2. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार– चन्द्र प्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
3. पत्रकारिता : विकास और विविध आयाम– सुशीला जोशी (राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर)
4. पत्रकारिता के मूल सिद्धांत– कन्हैया अगनानी (राजस्थानी हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर)
5. हिन्दी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ – विनोद गोदरे (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
6. हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार – ठाकुर दत्त आलोक (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

एम.ए. भाग–पहला (सैमेस्टर–दूसरा)

द्वितीय सैमेस्टर में विद्यार्थियों को कुल चार पेपरों का अध्ययन करना होगा। चौथे पेपर में तीन विकल्प होंगे, जिनमें से विद्यार्थी एक विकल्प चुनकर उसका अध्ययन करेगा।

पत्रों की रूपरेखा

पेपर एक : मध्यकालीन हिंदी काव्य–2

पेपर दो : भाषा विज्ञान

पेपर तीन : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पेपर चार : वैकल्पिक अध्ययन

1. हिन्दी कथा साहित्य
2. पंजाब का हिन्दी साहित्य–2
3. अनुवाद कला का सैद्धांतिक पक्ष

पेपर एक : मध्यकालीन हिंदी काव्य–2

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्य–पुस्तक

पद्यमाला : सम्पादक डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल', के.के. पब्लिकेशन्स, दिल्ली, (केवल चार कवि– तुलसी, सूरदास, बिहारी, गुरु गोबिन्द सिंह)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक कवि/लेखक से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत–प्रतिशत विकल्प के रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों रचनाओं की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। अंक 3×8=24
2. निर्धारित कवियों/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो। 3×12=36
3. आठ लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनमें सभी का उत्तर अनिवार्य होगा। 8×5=40

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. सूरदास– डॉ. हरवंश लाल शर्मा
2. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य– मैनेजर पाण्डेय
3. महाकवि सूरदास – नंद दुलारे वाजपेयी
4. बिहारी की साहित्य साधना– डॉ. हरवंश लाल शर्मा
5. बिहारी वाग्विभूति– डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. मीराँबाई (जीवन–चरित और आलोचना)– डॉ. श्री कृष्ण लाल
7. मीराँ काव्य– डॉ. भगवानदास तिवारी
8. मीराँ और आण्डाल का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ. ना. सुन्दरम्

पेपर दूसरा : भाषा विज्ञान

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. **भाषा विज्ञान :** सिद्धांत पक्ष– भाषा की उत्पति के सिद्धांत, भाषा की विशेषताएं और प्रवृत्तियां, भाषा का विकास, परिवर्तन और उसके कारण।
2. **ध्वनि–विज्ञान :** ध्वनियों का वर्गीकराण। ध्वनि–नियम, ग्रिम–नियम, ग्रासमेन–नियम, बर्नर–नियम।
3. **अर्थविज्ञान :** अर्थ–परिवर्तन, अर्थ–परिवर्तन की दिशाएं (प्रकार), अर्थ–परिवर्तन के कारण।
4. **वाक्य विज्ञान :** स्वरूप, प्रकार, परिवर्तन के कारण।
5. **भाषाओं का पारिवारिक वर्गीकरण :** वर्गीकरण का आधार, भारोपीय परिवार : महत्त्व, शाखाएं, विशेषताएं।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर

पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघु प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनका बिना विकल्प के उत्तर देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न 4×15=60

आठ लघु प्रश्न 8×5=40

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
2. भाषा विज्ञान– भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान – बाबू राम सक्सेना
5. भारतीय आर्य भाषाएं और हिन्दी – सुनीति कुमार चटर्जी

पेपर तीन : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राष्ट्रीय क्रांति और पुनर्जागरण
2. भारतेन्दु युग : हिन्दी कविता की प्रवृत्तियां, द्विवेदी युग : हिन्दी कविता की प्रवृत्तियां।
3. छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता, साहित्यिक विशेषताएं।
4. हिन्दी गद्य की विधाएं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का विकास)
5. हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघु प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनका बिना विकल्प के उत्तर देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न 4×15=60

आठ लघु प्रश्न 8×5=40

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ. बच्चन सिंह
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास – डॉ. श्रीकृष्ण लाल
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ. रामसजन पाण्डेय

पेपर चार : (विकल्प–1) हिंदी कथा साहित्य

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. गोदान (प्रेमचन्द)
2. मानस का हंस (अमृतलाल नागर)
3. मेरी प्रिय कहानियां (मन्नु भंडारी) (राजपाल एंड संज, दिल्ली)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक लेखक से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत–प्रतिशत विकल्प के रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों रचनाओं की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। (3×8=24)

2. निर्धारित लेखकों/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित ना रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो। (3×12=36)

3. आठ लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनमें सभी का उत्तर अनिवार्य होगा। (8×5=40)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. अमृतलाल नागर के उपन्यास – हेमराज कौशिक, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
2. कथाकार मन्नू भंडारी – अनीता राजूरकर
3. गोदान मूल्यांकन और मूल्यांकन – इन्द्रनाथ मदान
4. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य–गोपाल राय
5. हिन्दी उपन्यास और अमृतलाल नागर – प्रेम शंकर त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

पेपर चार (विकल्प–2) पंजाब का हिन्दी साहित्य–2

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. बचित्र नाटक, शिरोमणि गु.प्र.कमेटी, अमृतसर।
2. संचयन : इन्द्रनाथ मदान के ललित निबन्ध, (संपादक) डॉ. हुकुमचंद राजपाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. समय सरगम (उपन्यास) कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक कवि/लेखक से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत–प्रतिशत विकल्प के रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों रचनाओं की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। अंक 3×8=24
2. निर्धारित कवि/लेखकों, रचनाओं से सम्बद्ध **'अथवा'** रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित ना रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो। 3×12=36
3. आठ लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनमें सभी का उत्तर अनिवार्य होगा। 8×5=40

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. गुरु गोबिन्द सिंह और उनकी कविता– महीप सिंह
2. गुरु गोबिन्द सिंह : समाज और सौन्दर्य–वीणा अग्रवाल

पेपर चार (विकल्प–3) : अनुवाद कला का सैद्धांतिक पक्ष

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. अनुवाद परिभाषा, प्रक्रिया, महत्त्व
2. अनुवाद में समतुल्यता का सिद्धांत
3. अनुवादक के गुण, द्विभाषियों की भूमिका
4. अनुवाद के प्रकार : प्रकृति के आधार पर
5. पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण के सिद्धांत, विविध प्रकार, आवश्यकता एवं महत्त्व

6. साहित्यानुवाद : कथानुवाद, नाट्यानुवाद तथा काव्यानुवाद/समस्याएं।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघु प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनका बिना विकल्प के उत्तर देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न 4×15=60

आठ लघु प्रश्न 8×5=40

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग – जी. गोपीनाथन (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार– जयंतीप्रसाद नौटियाल (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
3. अनुवाद : संवेदना और सरोकार– सुरेश सिंहल (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
4. हिन्दी अनुवाद : समस्या और समाधान– जितेन्द्र दास (निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली)
5. अनुवाद : अवधारणा और आयाम– सुरेश सिंहल (संजय प्रकाशन, दिल्ली)